

दो दिवसीय प्रदर्शनी के बाद बढ़ा उत्साह

मिर्च उत्पादन की ओर बढ़ रहा किसानों का रुझान

जागरण संवाददाता, बड़वानी

किमसन बागों टेक्नो. लि. बैंगलोर द्वारा मिर्च के क्षेत्र में नई किस्म गोमती, विसका फ्लॉट बड़वानी जिले के कुन्डिया ग्राम में महेश यादव के यहां प्रदर्शन के रूप में दिखाया गया था, जिसमें दो दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, जिसका उद्घाटन कम्पनी के अलि इंफंडिया इंजीनियर पीके सिंग एवं एमपी इंचार्ज ब्रजेश अग्निहोत्री द्वारा

किया गया। इस दो दिवसीय आयोजित प्रदर्शनी में म.प्र. के खण्डवा, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलम, भोपाल, फर्रुखी से आए किसान एवं फार्मर ने भाग लिया। इस मिर्च की विशेषता यह है कि अन्य पैरापटो की अपेक्षा इसका द्रुगुण उत्पादन माफ़ गया एवं शिमारी से लड़ने की क्षमता भी द्रुगुणी पाई गई, जिसको देखकर किसानों को विशेष खुशी हुई एवं भविष्य में भी इसे लगाने की दूसरी पहल की गई।



राज से शुरू होगी हड़ताल सिलावद में बंदरों का आतंक

राजपट्ट प्रस्तुत कर किया, फिर शासन नहीं आया। उन्होंने बताया दूसरे चरण में दिनांक 1.10.09 प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के अपनी मांगों को मनवाने हेतु दैनिक अवकाश लेकर प्रदर्शन हो गया, फिर भी शासन ने मांगों को धोखा दिया। इसके बाद से चरण में राजधानी भोपाल में

दिनांक 31.10.09 को महारैली निकालकर कर्मचारियों ने शासन को जगाने का प्रयास किया, लेकिन इसके बाद भी शासन ने कर्मचारियों को धोखा ही की। शासन की अनदेखियों से तंग होकर कर्मचारियों के संगठनों ने अंत में अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया है, जिसका शुलुआत आज से की जा रही है।

जागरण संवाददाता, सिलावद

नगर में पिछले चार-पांच दिनों से 15 से अधिक बंदरों ने अपना देरा डाल रखा है। बस स्टैंड सहित नगर के अन्य मला-मोहल्लों में घुमकर इन बंदरों द्वारा काफी धूम मचाई जा रही है। कचरे चरों की छत पर तो कचरे ओटलों और पेड़ों पर उछलकूद कर बंदर धूम

मचा रहे हैं, जिससे लोगों को परेशानियां भी झेलनी पड़ रही है। बस स्टैंड के फल व्यवसायियों को इनसे भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है, हालांकि लोग इन्हें खाने की वस्तुएं भी दे रहे हैं। बच्चे भी दिनभर इनके आगे पीछे रहकर मनोरंजन करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इन तावाद में ये बंदर कहां से आये, इसकी जानकारी किसी को नहीं है।

15 से अधिक बंदर धूम मचा रहे धूम

प्रदेश बनाने का संकल्प

के कार्यवाहक अध्यक्ष महेंद्रकुमार जायसवाल ने मध्यप्रदेश विकास मंत्रालय के दौरान कार्यक्रम किये गये कार्य

जिला अस्पताल में भी पायतेट तॉर्ड का शिकार